Literacy for a Billion

Movie: Tare zameen par
Year: 2007

Song: Bam bam bhole
Lyricist: Prasoon Joshi

देखो देखो क्या वो पेड़ है
चादर ओढ़े या खड़ा कोई
हे देखो देखो क्या वो पेड़ है
चादर ओढ़े या खड़ा कोई
बारिश है या आसमान ने
छोड़ दिए है नल खुले कहीं
हो हम जैसे देखे ये जहाँ है वैसा ही
जैसे नज़र अपनी
खुल के सोचें आओ
पंख ज़रा फैलाओ
रंग नए बिखराओ
चलो चलो चलो चलो
नए ख्वाब बुन लें
हे हे
सा पा सा पा धा रे धा रे
गा रे गा रे ग म प स ग म प स
बम बम बम
बम बम बम
बम बम बम बोले
बम बम बम बोले
हे बम चिक बोले
बम चिक बोले
अरे मस्ती में ड़ोले
मस्ती में ड़ोले
बम बम बोले मस्ती में ड़ोले
बम बम बोले मस्ती में तू ड़ोल रे
बम बम बोले मस्ती में ड़ोले
बम बम बोले मस्ती में तू ड़ोल रे

भला मछलिया भी क्यों उड़ती नहीं
ऐसे भी सोचो ना
सोचो सूरज रोज़ नहाएँ या
बाल भिगो के ये बुद्धू बनाएँ हमें
ये सारे तारे टिमटिमाएँ
या फिर गुस्से में कुछ बड़बड़ाते रहे
खुल के सोचें आओ
पंख ज़रा फैलाओ
रंग नए बिखराओ
चलो चलो चलो चलो
हे हे
नए ख्वाब बुन लें
बम बम बोले मस्ती में ड़ोले
बम बम बोले मस्ती में तू ड़ोल रे

ओ रट रट के क्यों टैंकर फुल
टैंकर फुल टैंकर फुल
आँखें बंद तो ड़ब्बा गुल
ड़ब्बा गुल ड़ब्बा गुल
ओए बंद दरवाजे खोल रे
खोल रे खोल रे खोल रे
हो जा बिंदास बोल रे
बोल बोल बोल बोल बोल रे
मैं भी हूँ
मैं भी हूँ
तू भी है
तू भी है
हो मैं भी तू भी हम सब मिलके

बम चिक बम बम चिक
बम बम चिक
बम बम चिक
बम बम चिक
बम बम चिक
बम बम चिक
बम बम चिक
बम बम बम बम
बम बम बोले मस्ती में ड़ोले
बम बम बोले मस्ती में तू ड़ोल रे

ऐसी रंगो भरी अपनी दुनिया है क्यों
सोचो तो सोचो ना
प्यार से चुनके इन रंगो को
किसी ने सजाया ये संसार है
जो इतनी सुंदर है अपनी दुनिया
उपरवाला क्या कोई कलाकार है

खुल के सोचें आओ
पंख ज़रा फैलाओ
रंग नए बिखराओ
चलो चलो चलो चलो
चलो चलो चलो चलो
चलो चलो चलो चलो
नए ख्वाब बुन लें
बम बम बोले मस्ती में ड़ोले
बम बम बोले मस्ती में तू ड़ोल रे
बम बम बोले मस्ती में ड़ोले
बम बम बोले मस्ती में तू ड़ोल रे
बम बम बोले मस्ती में ड़ोले
बम बम बोले मस्ती में तू ड़ोल रे
ओए बम बम बोले

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.